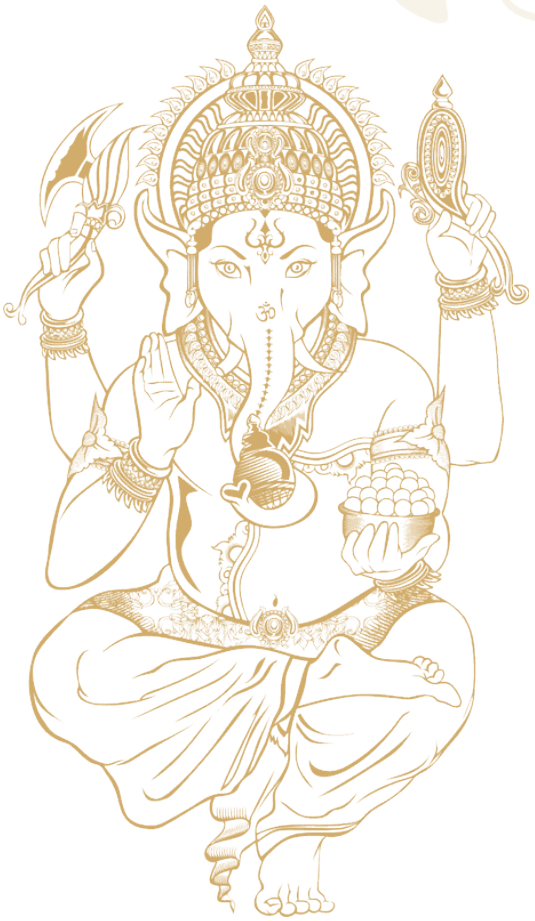

03 Jan 2026

04:01 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121011503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:01:00 घंटे**
इष्ट	21:55:29 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:37:20 घंटे
वेलान्तर	-00:04:24 घंटे
साम्पातिक काल	22:29:35 घंटे
सूर्योदय	07:14:48 घंटे
सूर्यास्त	17:41:43 घंटे
दिनमान	10:26:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:49:51 धनु
लग्न के अंश	26:50:13 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	26:50:13	345:56:36	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			धनु	18:49:51	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	19:06:15	14:52:39	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	20:20:13	00:46:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	08:10:00	01:32:23	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:48:53	00:07:57	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	18:03:09	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि			मीन	02:05:31	00:03:43	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:21:41	00:08:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:21:41	00:08:52	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:39:45	00:01:33	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:19:00	00:00:49	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:34:14	00:01:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	11:22:23	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:19

लग्न-चलित

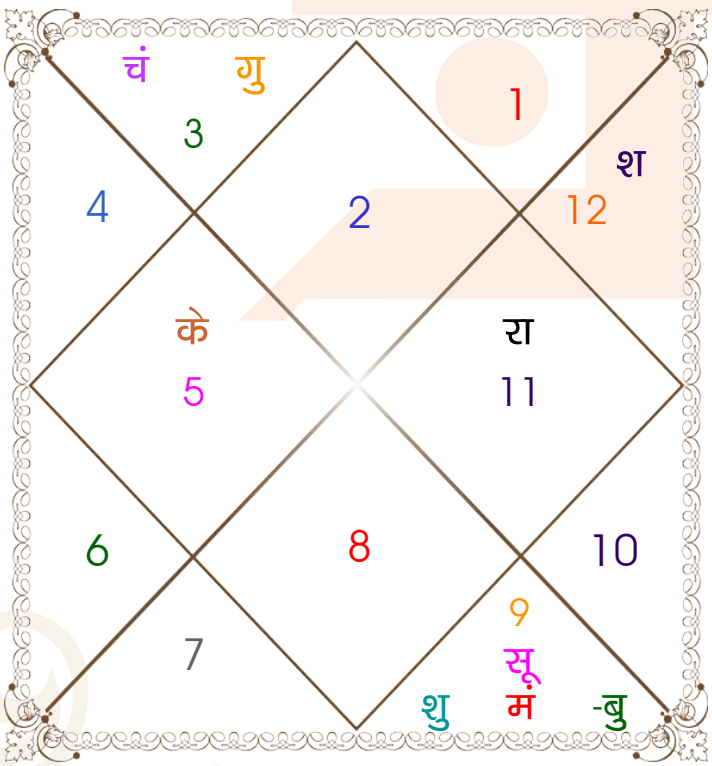

चन्द्र कुंडली

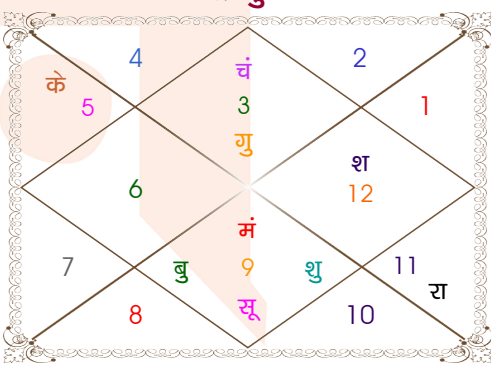

नवमांश कुंडली

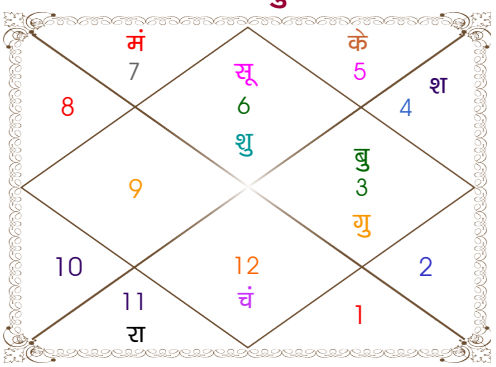

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 2 मास 15 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/01/2026		21/03/2027		21/03/2043		21/03/2062		21/03/2079	
21/03/2027		21/03/2043		21/03/2062		21/03/2079		21/03/2086	
	00/00/0000	गुरु	08/05/2029	शनि	24/03/2046	बुध	16/08/2064	केतु	17/08/2079
	00/00/0000	शनि	19/11/2031	बुध	01/12/2048	केतु	13/08/2065	शुक्र	16/10/2080
	00/00/0000	बुध	24/02/2034	केतु	10/01/2050	शुक्र	13/06/2068	सूर्य	21/02/2081
	00/00/0000	केतु	31/01/2035	शुक्र	11/03/2053	सूर्य	20/04/2069	चंद्र	22/09/2081
	00/00/0000	शुक्र	01/10/2037	सूर्य	21/02/2054	चंद्र	19/09/2070	मंगल	18/02/2082
	00/00/0000	सूर्य	20/07/2038	चंद्र	23/09/2055	मंगल	16/09/2071	राहु	09/03/2083
	03/01/2026	चंद्र	19/11/2039	मंगल	31/10/2056	राहु	05/04/2074	गुरु	13/02/2084
चंद्र	02/03/2026	मंगल	25/10/2040	राहु	07/09/2059	गुरु	11/07/2076	शनि	23/03/2085
मंगल	21/03/2027	राहु	21/03/2043	गुरु	21/03/2062	शनि	21/03/2079	बुध	21/03/2086

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/03/2086		22/03/2106		21/03/2112		22/03/2122		21/03/2129	
22/03/2106		21/03/2112		22/03/2122		21/03/2129		00/00/0000	
शुक्र	20/07/2089	सूर्य	09/07/2106	चंद्र	20/01/2113	मंगल	18/08/2122	राहु	03/12/2131
सूर्य	20/07/2090	चंद्र	08/01/2107	मंगल	21/08/2113	राहु	05/09/2123	गुरु	27/04/2134
चंद्र	20/03/2092	मंगल	16/05/2107	राहु	19/02/2115	गुरु	11/08/2124	शनि	03/03/2137
मंगल	20/05/2093	राहु	08/04/2108	गुरु	20/06/2116	शनि	20/09/2125	बुध	21/09/2139
राहु	20/05/2096	गुरु	26/01/2109	शनि	20/01/2118	बुध	17/09/2126	केतु	08/10/2140
गुरु	19/01/2099	शनि	08/01/2110	बुध	21/06/2119	केतु	13/02/2127	शुक्र	09/10/2143
शनि	22/03/2102	बुध	14/11/2110	केतु	20/01/2120	शुक्र	14/04/2128	सूर्य	02/09/2144
बुध	20/01/2105	केतु	22/03/2111	शुक्र	20/09/2121	सूर्य	20/08/2128	चंद्र	04/01/2146
केतु	22/03/2106	शुक्र	21/03/2112	सूर्य	22/03/2122	चंद्र	21/03/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 2 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।